

राहुल गाँधी एक सप्ताह की "मैडिटेशन यात्रा" पर वियतनाम गये

राहुल को "मैडिटेशन" (ध्यान लगाने) की जरूरत इन दिनों कुछ ज्यादा ही नज़र आ रही है

—रेणु मिश्र—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 मार्च। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष 11 मार्च से 18 मार्च तक वियतनाम में हैं और इधर संसद का सत्र चल रहा है।

वे कथित रूप से वियतनाम के आर्थिक मॉडल के अध्ययन के लिये वहाँ गये हैं। वहाँ का आर्थिक मॉडल मूलतः समाजवादी है, क्योंकि वियतनाम प्राथमिक रूप से एक कल्याणकारी देश है। लेकिन अन्दरूनी लोगों का कहना है कि वे वहाँ ध्यान करने के लिये गये हैं, क्योंकि वे ध्यान-प्रक्रिया से जुड़े हुये हैं तथा अपना काफी समय ध्यान में व्यतीत करते हैं।

जहाँ राहुल गाँधी की स्वीकार्यता कुछ वर्गों में बढ़ रही है, लेकिन उनकी मुख्य समस्या यह है कि वे विभिन्न राज्यों और उनकी समस्याओं को "हैंडल" नहीं कर पाते हैं। और न उनके पास ऐसा कोई राजनैतिक सलाहकार है, जो उन्हें आधाभूत मालतियों करने से रोक सके।

राहुल गाँधी के साथ लम्बे समय से यह समस्या बनी हुई है कि वे यह मानते

■ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है, कि हालांकि, राहुल की व्यक्तिगत लोकप्रियता, "एक्सपैडिबिलिटी" (जनता में स्वीकार्यता) बढ़ी है, पर वे अभी राज्यों में फैली अन्तर कलह व खेमेबाजी को सुलझाने में सफल होते नज़र नहीं आ रहे हैं।

■ बिहार में, उनकी मुख्य सहयोगी पार्टी उनसे काफी नाराज़ है, क्योंकि राहुल बिहार में कन्हैया कुमार व पप्पु यादव को पार्टी में आगे बढ़ाना चाह रहे हैं। वे इन दोनों को नेतृत्व सौंपने को भी तैयार हैं और आर.जे.डी. उनके इस फैसले को पसन्द नहीं कर रही।

■ इसी प्रकार, अभी तक पंजाब के मुतल्लिक यह निर्णय नहीं ले पाये हैं, कि दलित नेता चन्नी को नेता बनवायें या किसी जट सिख को नेतृत्व सौंपें। राहुल व प्रियंका की पसन्द, दलित नेता चन्नी बुरी तरह हारे थे चुनाव में, क्योंकि, जट सिखों ने दलित को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया था।

■ अनिर्णय की स्थिति, गुजरात में भी है। पिछली बार राहुल अहमदाबाद में कह आये, कि, कांग्रेस का ही एक बड़ा खेमा, भाजपा का मददगार है, अतः इन गैर-वफादारों को पार्टी से निकाल देना चाहिए, उनकी संख्या चाहे जितनी बड़ी क्यों न हो। पर, उनके इस साहसी भाषण के बाद अभी तक गुजरात की कांग्रेस पार्टी में इस निर्णय की क्रियान्विति के बारे में कोई भी हलचल नहीं दिख रही।

हैं कि वे सबसे अच्छा स्वयं जानते हैं तथा उन्हें किसी सलाहकार की जरूरत नहीं है। बिहार, जहाँ इस वर्ष के अन्त में चुनाव होने हैं, में राहुल गाँधी बिहार की राजनीति में कन्हैया को उतार रहे हैं। जिस

तरह से राहुल गाँधी, कन्हैया और पप्पु यादव को बिहार में आगे बढ़ा रहे हैं, उससे बिहार में कांग्रेस का मित्र दल, आरजेडी अप्रसन्न है। राज्य कांग्रेस के नेताओं के गले भी यह बात नहीं उतर रही

है। उनका कहना है कि इससे चुनावों में गठबंधन और कांग्रेस -दोनों को ही नुकसान होगा।

इसी कारण बिहार के कांग्रेस नेताओं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीसी, जेडीए सचिव व जोन उपायुक्त जमानती वारंट से तलब

जयपुर, 15 मार्च। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने अदालती आदेश का पालन नहीं करने पर जेडीसी आनंदी, जेडीए सचिव निशांत जैन व जोन उपायुक्त राकेश मीना को दस-दस हजार रूपए के जमानती वारंट से 29 मार्च को तलब किया है। आयोग के अध्यक्ष

■ जिला उपभोक्ता आयोग -द्वितीय ने अदालती आदेश का पालन नहीं होने पर जेडीसी आनंदी, जेडीए सचिव निशांत जैन व जोन उपायुक्त राकेश मीना का जमानती वारंट जारी किया।

ग्यारसीलाल मीना ने यह निर्देश नकुलेश्वर दत्त के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 29 अक्टूबर 2024 को उपभोक्ता आयोग ने जेडीए को निर्देश दिए थे कि वह एक महीने में भूखंड का कब्जा परिवारी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कम परीक्षा परिणाम देने पर प्रिंसिपल व व्याख्याता के खिलाफ हुई कार्रवाई रद्द

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने विभागीय मापदंड से कम परीक्षा परिणाम देने पर प्रिंसिपल व व्याख्याता के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई को, सही नहीं मानते हुए, रद्द कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश प्रिंसिपल महेंद्र तिवाड़ी व व्याख्याता नेमीचंद की याचिकाओं पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता 2019-2020 में कोटखावदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रिंसिपल महेंद्र तिवाड़ी और व्याख्याता नेमीचंद की याचिका पर यह आदेश दिए। दोनों कोटखावदा के सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पदस्थ थे।

राम नगर में प्रिंसिपल था। इस साल का सीनियर टीचर्स का गणित व इंग्लिश विषय का परीक्षा परिणाम विभागीय मापदंड से कम आया, जिस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने याचिकाकर्ता को चार्जशीट दी और जुलाई 2021 में उसकी दो वार्षिक वृत्त वृद्धि भी रोक दी। इसकी अपील करने पर प्रमुख शिक्षा सचिव ने दंड कम कर उसकी एक वार्षिक वृत्त वृद्धि रोक दी। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम केन्द्र के शिक्षा बजट में हमारा शेयर देंगे, पर हिन्दी का "थोपना" स्वीकार नहीं करेंगे'

तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जो तमिलनाडु को केन्द्रीय शिक्षा बजट से मिलना था, पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने रोक दिया, क्योंकि तमिलनाडु ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को स्वीकार नहीं किया

—लक्ष्मण बैंकट कुची—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 मार्च। तमिलनाडु तथा केन्द्र सरकार के बीच भाषा युद्ध और तेज हो गया है। तमिलनाडु ने अपने बजट लोको में रुपये का प्रतीक हटाकर, तमिल अक्षर "रु" का प्रयोग किया है। तमिलनाडु के भाजपा नेतृत्व ने इस पर विरोध की बोझार शुरू कर दी है।

भाजपा की तमिल इकाई के अध्यक्ष के अनामलाई तथा तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने द्रमुक तथा उसके नेता स्टालिन को फटकार लगाते हुये, कहा है कि वे भाषा विवाद को हास्यास्पद स्तर तक ले जा रहे हैं। इन दोनों भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु सरकार के इस कदम को मूर्खतापूर्ण तथा उलटा असर करने वाला बताया है। तमिलनाडु सरकार भारत के किसी भी राज्य की ऐसी पहली सरकार है, जिसने राष्ट्रीय मुद्रा के प्रतीक को डॉलर किया है। प्रसंगवश बता दें कि इस प्रतीक

■ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने भी वित्त मंत्री के "स्टैंड" का पूरा समर्थन किया, और कहा, हम हमारे युवाओं को दो भाषा नीति से ही पढ़ावेंगे। क्योंकि तमिल व अंग्रेजी पढ़ाकर ही हमने उन्हें योग्य बनाया है, कि वे अपनी प्रतिभा व परिश्रम से अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छाये हुए हैं, तथा तमिल संस्कृति भी पूरी तरह सुरक्षित है।

को एक तमिल व्यक्ति ने ही डिजाइन किया था। राज्य और केन्द्र सरकार के बीच विवाद होने जा रहे सम्बंधों के बीच तमिलनाडु का यह कदम स्तब्ध करने वाला है।

इस मामले में तमिलनाडु का अगला कदम क्या होगा, यह प्रश्न लोगों के दिलों-दिमाग को परेशान कर रहा है, क्योंकि दोनों ही पक्ष अपनी पॉइंट टैडी करते जा रहे हैं। केन्द्र इस बात पर अड़ा हुआ है कि राज्य को त्रिभाषा सूत्र की अनुपालना करनी ही होगी, और तमिलनाडु दशकों से इसका विरोध करता आ रहा है तथा द्विभाषा सूत्र को अपनाये हुये है।

इस समय अवरोध का मूल कारण यही है।

कल तमिलनाडु विधानसभा में पेश किये गये बजट में, राज्य के वित्त मंत्री थंगम तेनारसु ने 2000 करोड़ रु. का प्रावधान किया शिक्षा के मद में, किन्तु केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने तमिलनाडु को यह राशि दिये जाने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि राज्य ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी स्वीकार नहीं की है।

बजट के लोको में, रुपये के स्थान पर "रु" अंकित था, जो तमिल शब्द "रूबई" का प्रथम अक्षर है। यह अक्षर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिसकर्मियों ने नहीं खेली होली, अधिकारियों ने मनाया पर नहीं माने

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने कहा, प्रदेश में होली शांति से सम्पन्न करवाने वाले खुद होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं

जयपुर, 15 मार्च। अपनी लंबित मांगों का समाधान न होने से नाराज पुलिस कर्मियों ने होली नहीं खेली। अधिकारियों ने मनाये का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस कर्मियों ने होली खेलने से साफ इन्कार कर दिया। इसके बाद कर्मचारी संगठनों ने भी सरकार से पुलिसकर्मियों को मांगों पर विचार करने का आग्रह किया। इस मामले में सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटोसरा, टीकाराम जूली सहित कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने भी सरकार से इस मामले में दखल देने की मांग करते हुए लंबित मांगों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है।

सचिन पायलट ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रदेशभर में होली संपन्न कराने में पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है, लेकिन अब अपनी लंबित मांगों को लेकर वे खुद होली का बहिष्कार करने

■ पायलट ने कहा, मेरा सरकार से आग्रह है कि पुलिसकर्मियों की प्रमोशन, वेतन, भत्ते व अवकाश की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार किया जाए।

■ प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुलिसकर्मियों की लंबित मांगे पूरी करने की मांग की।

■ ज्ञातव्य है कि होली का त्यौहार शांति से सम्पन्न कराने के बाद होली के अगले दिन पुलिसकर्मी होली खेलते हैं पर इस बार पुलिसकर्मियों ने होली नहीं खेली, कर्मचारी संगठनों ने भी पुलिसकर्मियों का समर्थन किया।

को मजबूर है। प्रमोशन, भत्ता बढ़ाने, अवकाश, स्थानांतरण पॉलिसी आदि को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। इन मुद्दों को लेकर आज राजस्थान के कई क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों ने होली मनाने से मना कर दिया है। पुलिसकर्मियों के हितों को मजबूती से

पैरवी करते हुए सरकार से निवेदन है कि संवेदनशीलता से इन मांगों पर सरकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।

पुलिसकर्मियों द्वारा होली बहिष्कार को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने लिखा है कि "पुलिसकर्मियों द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक दिन पहले ही विपश्चना शिविर छोड़ा केजरीवाल ने

होशियारपुर, 15 मार्च। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को होशियारपुर से करीब 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ गांव में धम्म धजा विपश्चना केंद्र (डीडीवीसी) में 10 दिवसीय विपश्चना ध्यान सत्र पूरा करने से पहले ही रवाना हो गए।

■ आप प्रवक्ता ने बताया कि केजरीवाल ने अपने मैडिटेशन टीचर से छुड़ी लेकर शिविर छोड़ा है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल कल रात यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पहुंचीं और आज सुबह डीडीवीसी गईं। इसके बाद केजरीवाल और उनकी पत्नी सड़क मार्ग से जालंधर के लिए रवाना हो गए।

उन्हें विदा करने के लिए सांसद डॉ. राज कुमार, पंजाब के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह और विधायक ब्रह्म शंकर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जबरदस्ती व विरोध नहीं, दया व करुणा के पुल से दूरियां घटती हैं

कैडबरी डेयरी मिल्क ने विज्ञापन में नॉर्थ व साउथ के भाषा विवाद का नाजुक समाधान दिखाने की हिम्मत दिखाई, जबकि, बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ फेल हो गये

—सुकुमार शाह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 15 मार्च। एक ऐसा देश है, जहां भाषा संवाद का जरिया होने से कहीं अधिक पहचान, संस्कृति का प्रतीक है और अब तो राजनैतिक निष्ठा का भी प्रतीक बन गई है, वहाँ कैडबरी डेयरी मिल्क का नया विज्ञापन तोखी बहस का मुद्दा बन गया है। इस समय जबकि उत्तर भारत और दक्षिण भारत में भाषाई तनाव पनप रहा है, ऐसे में इस ब्रांड ने एक कोमल, किंतु सशक्त रूख अपनाया है। यह विज्ञापन कहता है, जोर-जबर्दस्ती या विरोध करने से नहीं, बल्कि "प्रेम" से मतभेद की खाई भरती है।

यह विज्ञापन ऑन लाइन काफी लोकप्रिय हो रहा है, इसमें रोजमर्रा का परिदृश्य दिखाया गया है, कुछ महिलाएं हिंदी में गपशप कर रही हैं कि तभी एक

तमिल भाषी पड़ोसन उनके साथ शामिल हो जाती है। उनमें से एक महिला देखती है कि तमिल महिला भाषा समझ नहीं पाने से परेशान लग रही है तो वह अंग्रेजी में बोलती है, ताकि वह महिला भी खुद को गपशप का हिस्सा महसूस कर सके। यह एक छोटी सी कोशिश है, पर इसमें एक सामाजिक राजनैतिक संदेश है, वो भी ऐसे देश में, जहाँ भाषा अक्सर युद्ध का मैदान बन जाती है। कई दशकों से भारतीय राजनीति में हिंदी भाषा थोपने का विवाद चल रहा है। केन्द्र सरकार हिंदी की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण बनाना चाहती है, चाहे वह सरकारी काम हो या प्रतियोगी परीक्षाओं में या शिक्षा नीति में। पर तमिलनाडु व दक्षिण भारतीय राज्यों में इसका कड़ा विरोध किया जाता है, जहाँ क्षेत्रीय दल, खासकर द्रमुक इन प्रयासों को अपनी भाषा और सांस्कृतिक

■ विज्ञापन के शुरू होते ही एक साधारण रोजमर्रा के दृष्टि से, गृहणियां आपस में बातचीत कर रही हैं हिन्दी में, तभी एक तमिल भाषी नई पड़ोसन बातचीत से जुड़ती हैं। एक गृहणी ने नई पड़ोसन की थोड़ी सी उलझन समझते हुए इंग्लिश में बोलना शुरू कर दिया, जिससे नई पड़ोसन भी बातचीत में शामिल हो जाये, यह एक छोटी सी संवेदनशील चेष्टा, कारगर साबित हुई, जबकि भाषा के विवाद ने देश को एक युद्ध भूमि बनाकर रख दिया है।

■ कैडबरी के विज्ञापन ने देश की अन्तरआत्मा को झकझोर तो दिया, कुछ क्षणों के लिए। पर, यह केवल एक चतुर विज्ञापन ही है, जो सही समय पर आया और चर्चित हो गया।

विरासत के लिए खतरे के रूप में देखते हैं। तमिलनाडु बार-बार नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फॉर्मूला

को टुकड़ा रहा है और उसने साफ कर दिया है कि तमिलनाडु में हिंदी का स्वागत नहीं होगा।

इस बेहद संवेदनशील विषय पर एड बना कर कैडबरी डेयरी मिल्क भी राजनैतिक विवाद में प्रवेश कर गई है, पर टकराव का रूख अपनाए बिना नॉर्थ-साउथ में उसने किसी का भी पक्ष नहीं लिया है, उल्टे भाषाई सद्भाव को दर्शाया है। संदेश साफ है, किसी को अपनाना जबरन नहीं होना चाहिए, बल्कि यह प्रेम और करुणा से किया जा सकता है।

एक ब्रांड जो लम्बे समय से रिशतों की गर्माईत और सबको साथ लेकर चलने के रूख पर चलता है, उसका यह विज्ञापन उसकी कॉर्पोरेट पहचान को दर्शाता है। लेकिन क्या यह बहुत सतर्कता से उठाया गया मार्केटिंग का कदम है या फिर भारत में भाषाई विवाद में द्वंद में पड़ने का प्रयास है, इस पर बहस जारी है।

इस विज्ञापन पर ऑन लाइन

प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है। कई दर्शकों ने इसकी तारीफ की और कहा कि यह सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है, वो भी स्वाभाविक तरीके से, जोर जबर्दस्ती से नहीं। एक दर्शक ने कहा "मैं दक्षिण-उत्तर भारतीय भाषा विवाद को नहीं जानता, पर मैं इस ग्रेट विज्ञापन को मानता हूँ। डेयरी मिल्क हमेशा सही नस पकड़ता है।" एक अन्य दर्शक ने इसकी तारीफ कर इसे खूबसूरत और प्रशंसनीय विज्ञापन बताया।

लेकिन कुछ आलोचनाएं भी हैं। कुछ लोगों ने परिदृश्य की व्यवहारिकता पर सवाल उठाया। एक यूजर ने कटाक्ष किया "तो मैं ओडिशा के किसी गांव में जाऊं तो वहां यह उम्मीद करूँ कि मेरी सुविधा के लिए वो अंग्रेजी में बात करेगा?" एक अन्य ने कहा "संस्कृत क्यों नहीं, यह देवताओं की भाषा है, इसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रसियों के साथ वार्ता करने के लिए मॉस्को आ रहे हैं।

जहाँ अमेरिका, अपने राष्ट्रपति के पहले के इन दावों को, कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन में युद्ध कभी नहीं होता, या फिर वे युद्ध को जल्दी समाप्त करवा देंगे, सही साबित करने का जो तोड़ प्रयास कर रहा है, वहाँ, रूस के शीर्ष राजनयिक इस संपूर्ण पहल पर पानी फेर रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति के सहायक, यूरी उशाकोव ने कहा, कि उन्होंने सऊदी अरब में हुई अमरीकी-यूक्रेनी वार्ता और जो स्थिति बनी, उसके बारे में जानकारी ली थी। उन्होंने कहा कि संभावित आसान समझौता, "यूक्रेनी मिलिटरी के लिए एक अस्थायी राहत" से ज्यादा कुछ नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का समझौता रूसियों को स्वीकार्य नहीं था। अमरीकियों ने पहले कहा था कि यूक्रेन ने अमरीकी प्रस्तावों को स्वीकार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चारागाह भूमि से कब्जा नहीं हटा, जिला कलेक्टर रिपोर्ट सहित तलब

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने झुंझुनू को चिड़ावा तहसील की चारागाह भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले में जिला कलेक्टर,

■ हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने चिड़ावा तहसील की चारागाह भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले 25 मार्च को जिला कलेक्टर सहित एसडीओ और तहसीलदार को तलब किया है।

एसडीओ और तहसीलदार को 25 मार्च को तलब किया है। अदालत ने अधिकारियों से मामले का संपूर्ण रिपोर्ट (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आमजन होली पर लें अंत्योदय का संकल्प : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की संस्कृति की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। हमारे ऋषि-महर्षियों ने गौरवशाली संस्कृति को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि होली का पर्व खुशी एवं उल्लास

और मानसरोवर आवासीय योजना भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों से अभूतपूर्व बदलाव हुआ है। जन-मानस ने सीमा सुरक्षा, विकास की योजनाएँ तथा दुनिया में

भारत के बढ़ते हुए गौरव को महसूस किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में विकास और विरासत दोनों को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, जयपुर सांसद मंजू

शर्मा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सोम्या गुर्जर और उपमहापौर पुनीत कर्णावट, जयपुर भाजपा जिला अध्यक्ष अमित गोयल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश तिवारी सहित जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पूँछरी का लौठा में श्रीनाथजी के दर्शन किए

डींग/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को होली के पावन अवसर पर डींग स्थित पूँछरी का लौठा धाम पहुंचे तथा श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस दौरान शर्मा ने पूँछरी का लौठा में मुकुट मुखारंबंद पर श्रीगिरिराज जी का दुर्गाभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं और परिक्रमार्थियों पर पुष्प वर्षा कर फूलों की होली खेली, चंग की थाप पर सभी दर्शनार्थी उमंग और उत्साह से भर उठे तथा हर्षोल्लास से इस त्यौहार को मनाया। इस अवसर पर साधु संतों ने शर्मा का साफा बांधकर स्वागत किया। होली महोत्सव में श्रीनाथ जी मंदिर कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य सहित विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियाँ पेश की गईं। जिसको देखकर हर कोई श्री कृष्ण की भक्ति में झुलता नजर आया।

इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेदम, डींग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह, वैद्य विधायक बहादुर सिंह कोली, संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ अमित यादव, भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल से मुलाकात की



जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाथी और राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने राज भवन में मुलाकात की। देवनाथी ने राज्यपाल को विधान सभा में गत एक वर्ष में किए गए नवाचारों पर आधारित "नवाचारों का एक वर्ष" पुस्तक की प्रति भेंट की। देवनाथी ने राज्यपाल को बताया कि राजस्थान विधानसभा में कार्य प्रणाली को नया

स्वरूप देने के साथ ही सनातन संस्कृति के अनुरूप डायरी और कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है। बागडे ने प्रकाशन के लिए देवनाथी को बधाई देते हुए कहा कि लोकतंत्र के पवित्र स्थल विधानसभा की कार्य प्रणाली का ऑनलाइन संचालन करने, समय सीमा में प्रश्नों के जवाब मंगाने, सर्व दलीय बैठक के आयोजन के साथ सदन के प्रभावी

संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष द्वारा किए गए नवाचार अन्य विधानसभाओं के लिए प्रेरणादायी है। राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाथी को उनके द्वारा किए गए नवाचारों की ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा देश के विधान मंडलों में सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ खेली होली



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को उनके निवास पर आम लोगों के साथ होली खेली। इस दौरान बच्चों ने भी उन्हें रंग लगाया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। शर्मा ने इस दौरान बड़ी संख्या में आए आमजन से आत्मीय मुलाकात कर फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने ब्रज की विभिन्न संस्कृतियों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा कि

रंगों का यह पर्व बेहद ही निराला है, हमें आपसी कटुता को भुलाते हुए एक-दूसरे को गले लगाने की सीख देता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शर्मा ने युवा, किसान, महिला और मजदूर सहित पूरे प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। समारोह में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने परिवारजनों के साथ यहां श्री राज राजेश्वरी मंदिर प्रांगण में विधिवत् रूप से होली पूजन किया। उसके बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। इस दौरान राजस्थान पुलिस की 4 आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयपुर में खंडहरनुमा प्लाट में फंदे से लटके मिले युवक-युवती

जयपुर। विधायकपुरी थाना इलाके में एक खंडहरनुमा प्लाट में शनिवार दोपहर को फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे से दोनों शवों को उतार कर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों शवों से कुछ ही दूरी पर एक बैग भी रखा मिला है। बैग में उनके कपड़े सहित ट्रेन टिकट भी

विधायकपुरी थाना इलाके में फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई

मिला है। जिससे पता चला है कि 13 मार्च की दोपहर ट्रेन से वह दोनों अजमेर से जयपुर आए थे और दोनों का ही अपने घरों से भागकर आना प्रतीत होना है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और दोनों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएगा। थानाधिकारी बनवारी लाल मीना ने बताया कि थाना इलाके के अजमेर

पुलिया के पास एक प्लाट में कुछ खंडहरनुमा कमरे बने हुए हैं। जहां पहले विजली विभाग का गोदाम था। शनिवार दोपहर को खाली पड़े खंडहर में कचरा बीनने लड़का गया था। जहां कचरा बीनते समय उसे खंडहरनुमा गोदाम के अंदर फंदे से युवक-युवती लटके दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका-मुलायना करने के बाद एफएसएल टीम को बुलाकर

मौके से सबूत जुटाए। जिसके बाद दोनों शवों को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि दोनों मृतक की उम्र 25-30 के बीच में है। जिन्होंने खंडहरनुमा प्लाट में बने गोदाम में लगे टीन शेड से चुनौ का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। बैग में मिले दस्तावेजों के आधार उनकी पहचान बदायूं यूपी निवासी 22 वर्षीय रेणु विश्वास और 25 वर्षीय नीरज निवासी नरहेडा पटौती हरियाणा के रूप में हुई है।

जयपुर में कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. सतीश पूनिया ने मनाई होली



जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ गुलाल लगाकर होली की रामा-श्यामा की। सतीश पूनिया ने 14 मार्च को होली के पावन पर जयपुर में राणी सती नगर

स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर सुबह से लेकर दोपहर तक जयपुर से लेकर प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ गुलाल लगाकर होली खेली एवं मिठाई खिलाकर होली की रामा-श्यामा की। जन संवाद केंद्र पर पार्टी कार्यकर्ताओं-आमजन के लिए मिठाई एवं जलपान की व्यवस्था रही।

वहीं 15 मार्च को सतीश पूनिया ने जन संवाद केंद्र पर सुबह से लेकर दोपहर तक प्रदेश के शेखावाटी, मारवाड़, मेवाड़, ब्रज क्षेत्र से पधारे हजारों कार्यकर्ताओं के साथ होली की राम-राम की एवं जनसुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए आग्रह किया।

असिस्टेंट प्रोफेसर के बर्खास्तगी आदेश को हाईकोर्ट ने सही माना

जयपुर। हाईकोर्ट ने एमएनआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर की बर्खास्तगी आदेश को सही मानते हुए इसे चुनौती देते हुए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश डॉ. एसएस स्वैन की याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि भर्ती में छूट को लेकर कोई प्रावधान नहीं था। इसके चलते बिना पीएचडी वाले अभ्यर्थियों ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आवेदन नहीं किया। ऐसे में यदि याचिकाकर्ता को कोई छूट दी गई तो वह समानता के अधिकार के खिलाफ होगी।

याचिका में कहा गया कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2022 को लेकर आवेदन मांगे गए थे। जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि तक संबंधित विषय में पीएचडी होना जरूरी था। याचिकाकर्ता ने आवेदन किया और उसका साक्षात्कार लेने के बाद उसे 14 फरवरी, 2024 को नियुक्ति दे दी। वहीं बाद में उसे पीएचडी की डिग्री भी मिली। उक्त तिथि बताने को लेकर नोटिस दिया गया। इसके बाद 7 सितंबर, 2024 को उसकी नियुक्ति रद्द कर दी गई।

कला मेले के पोस्टर का विमोचन



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और शासन सचिव रवि जैन ने 24वें कला मेले के पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी एवं जवाहर कला केन्द्र की सहभागिता में 19 से 23 मार्च को जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में 24वें कला मेले का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं कला साहित्य, संस्कृति, पर्यटन विभाग की मंत्री दिया कुमारी और कला साहित्य संस्कृति विभाग के शासन

सचिव रवि जैन ने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ. नाथूलाल वर्मा (कला मेला संयोजक), डॉ. राजेंद्र प्रसाद, श्री विनय शर्मा, श्री मनीष शर्मा, डॉ. जे. पी. मीणा, संगीता सिंह एवं महेंद्र मंडावरिया मौजूद रहे। अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि 24वें कला मेले में 110

से अधिक स्टॉल्स पर राजस्थान समेत विभिन्न प्रदेशों के कलाकार अपनी कलाकृतियाँ प्रदर्शित करेंगे। पाँच दिवसीय आयोजन में लोक कलाओं की प्रस्तुति, डॉ. जे. पी. मीणा, संगीता सिंह एवं महेंद्र मंडावरिया मौजूद रहे। अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि 24वें कला मेले में 110

घुमन्तू परिवारों के 153 लोगों को मिले वोटर आईडी कार्ड

जयपुर। सांगानेर के बी 2 बाईपास स्थित कालबेलिया, नट एवं बावरिया बस्ती में राज्य सरकार द्वारा दस्तावेजोत्पन्न अभियान के तहत बनाए गए मतदाता पहचान पत्रों का वितरण किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घुमन्तू जाति उत्थान, न्यास के तत्वाधान में चलाए जा रहे दस्तावेजोत्पन्न अभियान के अन्तर्गत बस्तियों का सर्वे कर घुमन्तू जाति के लोगों के आधार कार्ड, राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र सहित जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री राममंदिर नगर में रह रहे घुमन्तू जाति के लोगों को मतदाता पहचान पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांगानेर एसडीएम हिमन सिंह द्वारा 153 वोटर आईडी प्रदान कर बस्ती के लोगों को मतदान का अधिकार प्रदान किया गया। पिछले कई दशकों से मतदान के अधिकार से वंचित लोगों में मतदाता पहचान पत्र मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए आभार जताया। सांगानेर महानगर घुमन्तू कार्य संयोजक महेश कुमार वर्मा ने बताया घुमन्तू जाति उत्थान न्यास द्वारा जयपुर महानगर की घुमन्तू बस्तियों में दस्तावेजोत्पन्न अभियान कार्य चलाया जा रहा है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार छात्र की मौत

जयपुर। एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे स्कूटी सवार छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। मामले की जांच दुर्घटना थाना पूर्व कर रहा है। पुलिस के अनुसार बूंदी निवासी श्रेयांस होली की अलसुबह स्कूटी से गोविंददेवजी के दर्शन करने जा रहा था। महल रोड पर खादूरश्याम मंदिर के पास कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे श्रेयांस और उसका साथी घायल हो गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर श्रेयांस की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि श्रेयांस जयपुर में पढ़ाई कर रहा था। वह होली की सुबह गोविंददेवजी के मंगला आरती के दर्शन करने के लिए एक्टिवा से अपने दोस्त अभिनव के साथ निकला था। एक्टिवा श्रेयांस चला रहा था। सुबह 5 बजे खादूरश्याम मंदिर के आगे सामने से गलत दिशा से आई तेज कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी।

मोबाइल लूटा

जयपुर। करघनी थाना इलाके में बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने मदद करने के बहाने युवक को बाइक पर बैठाया और फिर सुनसान जगह मारपीट कर मोबाइल लूट लिया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों का जायजा लिया निगम उपायुक्त ने

जयपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हेरिटेज निगम के सभी अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय नजर आ रहे हैं। धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिन वार्डों में पिछले कई समय से कचरा नहीं उठाने की शिकायत आ रही थी, उन वार्डों में जाकर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ कराई। साथ ही सड़क पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अधिकारी लगातार फील्ड निरीक्षण कर रहे हैं। सभी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को भी वार्डों में सफाई रखने के लिए पाबंद किया है। कुछ जगहों पर सफाई होने के बाद आमजन कचरा फेंक रहे हैं। उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए। स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान निगम अधिकारी सड़क पर स्वच्छता को लेकर लगातार जांच रखेंगे। उन्होंने बताया कि निरीक्षण स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन के



स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और

स्वास्थ्यवर्धक बनाया जा सके। वहीं, किसानपोल जोन उपायुक्त दिलीप बंबानी

ने वार्ड 60,61,62,64,65, और 66 का गहन निरीक्षण किया।

ढूँढाड़ परिषद का धमाल सम्पन्न

जयपुर। ढूँढाड़ परिषद द्वारा 12 वा ढूँढाड़ की धमाल (फागोत्सव) जय क्लब में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन ढूँढाड़ परिषद के संस्थापक अध्यक्ष विजय पाल कुमावत ने ढूँढाड़ भाषा में किया कार्यक्रम में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक हनुमान सहाय शर्मा गरिमा कुमावत ने गायन पर प्रस्तुति दी और ललित राणा एंड पार्टी ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक बालमुकुंदचार्ज, ग्रेटर महापौर सोम्या गुर्जर, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सर्व ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गिरिराज गर्ग, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप लुहाड़िया सहित जयपुर के लोग उपस्थित रहे साथ ढूँढाड़ के व्यंजनों का लुप्त उठाया।

स्टंट करने से रोकना चालक को भारी पड़ा

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में सरकारी वाहन के चालक को थार गाड़ी सवार युवकों को स्टंट करने पर टोकना भारी पड़ गया। कार सवार बदमाशों ने बैंक लेकर सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। इससे सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। चालक ने बैंक तरह भाग कर अपनी जान बचाई।

पुलिस के अनुसार रानियावास जमवामगढ़ निवासी मूलचंद ने मामला दर्ज करवाया कि वह निर्वाचन विभाग सचिवालय की गाड़ी चलाता है। वह 12 मार्च की रात को पृथ्वीराज सिंह रोड सेंट्रल पार्क के पास खड़ा था। इसी दौरान एक काली थार स्टंट करती आ रही थी। इस पर उसने कार सवार युवकों टोका तो बदमाशों ने कार बैंक ली और सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। सरकारी वाहन के खड़े चालक ने भाग कर अपनी जान बचाई। टक्कर मारने के बाद बदमाश थार लेकर फरार लेकर हो गए। पीड़ित ने वापस अपनी गाड़ी स्टार्ट करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उस पर थार चढ़ाने का प्रयास किया और फिर वहां से भाग निकले। पीड़ित ने थार के नंबरों के आधार पर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर नंबरों के

मोबाइल चोरी कर खाते से निकाले 1.60 लाख

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में बस में सफर करने के दौरान किसी ने युवक का मोबाइल पार कर लिया और फिर उसके खाते से 1.60 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार मीणावाला निवासी सोनू सांसी ने मामला दर्ज करवाया कि वह त्रिवेणी नगर से मीणावाला बस में सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान किसी ने सिरसी पुलिसिया के पास-पास उसकी जेब से मोबाइल पार कर लिया। चोरी का पता लगने पर पीड़ित बस से उतरकर थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। इस दौरान बदमाशों ने उसके खाते से 1.60 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होली के रंगों में सराबोर होने देशी-विदेशी पर्यटक पुष्कर पहुंचे

पर्यटकों की भीड़ के चलते मुख्य बाजार सहित गलियों में भी चहल-पहल दिखी

पुष्कर, (निसं)। धुलंडी को पर्यटकों से पुष्कर के बाजार गुलजार रहे। बाजारों में पर्यटकों की जमकर रौनक रही। जहां एक ओर बड़े रिसॉर्ट और होटल में मेट्रो सिटी से आए युवा व युवती होली खेलते रहे। वहीं आसपास के शहरों से आए मनचले विदेशी पर्यटकों के साथ गुलाल के नाम पर जबरदस्ती करते रहे।

पूरी दुनिया में अपनी एक अलग ही पहचान बना चुके होली के त्यौहार को मनाने के लिए देश दुनिया से भारी तादात में देशी विदेशी पर्यटक धार्मिक नगरी पुष्कर पहुंचे। पर्यटकों की भीड़ के चलते मुख्य बाजार सहित छोटी-छोटी गलियों में भी पर्यटकों की चहल-पहल से रौनक बढ़ गई। यहां पहुंचने वाला हर एक पर्यटक पुष्कर की विश्व प्रसिद्ध होली के रंगों में सराबोर होकर उन्हीं रंगों में मस्त नजर आया।

वहीं ला बेला होली मंडल के

पर्यटकों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए

युवाओं के तत्वावधान में स्थानीय वराह चौक पर चल रहा सतरंगी होली महोत्सव मनाया। धुलंडी के एक दिन पूरा रात रात को हजारों देशी-विदेशी सैलानियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर राजस्थानी ढोल की थाप पर खूब डाँडिया रास किया। खास बात यह है कि आयोजन के दौरान पुष्कर के प्रसिद्ध ढोल वादक आरुष एंड पार्टी के कलाकारों द्वारा जब राजस्थानी नृत्य की धुनें बजाई गईं तो वहां पर मौजूद हर कोई शख्स नाचने पर मजबूर हो गया। इस दौरान यहां विशाल स्तर पर होली दहन का आयोजन भी किया। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जिला पुलिस अधीक्षक बंदिता राणा द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए।



पुष्कर आये देशी-विदेशी पर्यटकों ने जमकर होली खेली।

होटल में कमरा मांगा, नहीं दिया तो गर्म दूध उड़ेलना

बगडू, (निसं)। बगडू थाना इलाके की बगडू बायपास पर बदमाशों ने एक होटल में अनेक गतिविधियों के लिए कमरा मांगा। मना करने पर होटल संचालक पर गर्म दूध उड़ेल दिया और फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने इनमें से तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनका पहले से भी क्रम रिपोर्ट है।

जानकारी के मुताबिक नाटस निवासी राजकुमार जाट ने बगडू बायपास पर एक होटल कर रखा है। राजकुमार के पास दिन में दो युवक आए। जिन्होंने कहा कि उन्हें रात को एक कमरा चाहिए। वे एक लड़की लेकर आए। राजकुमार जाट ने इस तरह अनेक गतिविधियों के लिए जगह ना होने की बात कही। बातों ही

बातों में युवकों ने होटल संचालक से बहस करने शुरू कर दी। यही युवक रात को फिर अपने साथियों के साथ होटल आए और आते ही राजकुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी। जैसे-तैसे राजकुमार ने खुद को बचाया तो गैस पर गर्म हो रहे दूध के बर्तन को पूरा का पूरा राजकुमार पर फेंक दिया। जिससे राजकुमार का आधा शरीर जल गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। राजकुमार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे बगडू पुलिस ने राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया। वहीं आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि इस वारदात में शामिल पिलानी थाना इलाके के सुलताना का बास निवासी 25 वर्षीय

प्रवीण कुमार पुत्र श्यामकिशोर गुर्जर को गुदगौड़जी ने उसके सात अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके बाद बगडू पुलिस प्रवीण को बगडू लाई। पृष्ठलाख के बाद प्रवीण व उसके दो और साथी बुहाना थाना इलाके के झांझा निवासी 29 वर्षीय धर्मेश कुमार पुत्र भूपसिंह अहीर तथा हरियाणा के महेंद्रगढ़ सदर थाना इलाके के दूलेट अहीर निवासी 27 वर्षीय सोनू पुत्र धर्मेश अहीर को गिरफ्तार कर लिया है। शेष साथियों की तलाश की जा रही है। प्रवीण गुर्जर पर खेतड़ी, खेतड़ीनगर, नीमराना, सदर महेंद्रगढ़ व बगडू थाने में पूर्व से मामले दर्ज हैं। वहीं सोनू अहीर के खिलाफ दो तथा धर्मेश के खिलाफ एक मामला पूर्व में दर्ज है।

प्रागपुरा कस्बे में होलिका दहन से पूर्व होलिका में आग लगी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा गांव में होलिका दहन से पूर्व ही दोपहर करीब बारह बजे होलिका में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा तब हुआ जब महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार होलिका की पूजा कर रही थी। बताया जा रहा है कि पूजा के दौरान दीप प्रज्वलित करते समय होलिका में डाले गए सूखे उपले, कागज व लकड़ियों ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरी होलिका जलने लगी। आग लगते ही पूजा कर रही महिलाओं ने शोर मचाया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग नहीं बुझी। लकड़ी और

आग लगने से महिलाओं में अफरा-तफरी मची

दमकल की सहायता से आग पर पाया काबू, हादसा टला

सूखे उपलों की वजह से आग ने तेजी से फैल गई।

घटना की जानकारी पावटा प्रागपुरा नगरपालिका दमकल कर्मचारियों को दी गई, जहां सूचना मिलने के बाद भी दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। हालांकि, बाद

में दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग बुझा दी गई। अन्यथा बाढ़ हादसा हो सकता था। गौरतलब है कि प्रागपुरा गांव में हर साल होलिका दहन के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण भाग लेते हैं। इस दौरान सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की जाती है और पारंपरिक ढंग से होलिका दहन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रशासन और दमकल विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि अगर समय पर दमकल पहुंच जाती तो आग को और जल्दी बुझाया जा सकता था।

महुकलां में नाल दंगल का आयोजन हुआ

हेमराज चूली 102 किलो की नाल उठाकर नाल केसरी बने

गंगापुर सिटी, (निसं)। धुलंडी के अवसर पर ग्राम पंचायत महुकलां में वार्षिक नाल दंगल का आयोजन किया गया। आम बस्ती महुकलां द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में दूर-दराज से पहलवान पहुंचे। प्रतियोगिता में 68 किलो से लेकर 102 किलो तक की नाल उठाने का मुकामला हुआ। हेमराज चूली ने 102 किलो की नाल उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। महुकलां के पसा पहलवान ने दूसरा स्थान हासिल किया। छर्रा के भूला पहलवान, महुकलां के वीरू पहलवान और चूली के विक्की पहलवान ने 97 किलो की नाल उठाई। 92 किलो की नाल उठाने वाले पहलवानों में पीतमपुरा के टीकम पहलवान, अभिमन्यु पहलवान, प्रभु पहलवान, हरजनयक के शिवराज गुर्जर और खानपुर बडौदा के भूरा पहलवान शामिल रहे। विजेता पहलवानों को माला और साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। आयोजन कमेटी ने पूर्व विजेताओं का भी सम्मान किया। कार्यक्रम में पंच



नाल दंगल में जोर अजमाइश करते पहलवान।

हुकम पटेल, भम्मल पटेल, अमर सिंह पटेल समेत कई व्यक्ति मौजूद रहे। मैच रेफरी हरकेश भाई ने प्रतियोगिता का संचालन किया। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या

में पहुंचकर दंगल का आनंद लिया। उन्होंने सभी पहलवानों और मेहमानों का आभार व्यक्त किया और होली की शुभकामनाएं दीं।

पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर एक और केस दर्ज

झुंझुनू, (निसं)। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर तीन महीने में तीसरा केस दर्ज हो गया है। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर कोतवाली में दूसरा और झुंझुनू जिले में तीसरा केस दर्ज हो गया है। ये केस दर्ज होने का सिलसिला दिसंबर 2024 में शुरू हुआ था। जब कान्हा पहाड़ के पास आर्बिट्रिज खान मालिक श्याम सिंह कटवा ने पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा और उनके समर्थक इब्राहिम खान समेत 12 जनों पर उसके लीज क्षेत्र में घुसने, जान से मारने की कोशिश करने, भीड़ इकट्ठा कर उसे उकसाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज करवाया था। अब श्याम सिंह कटवा ने एक और मामला पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर दर्ज करवाया है। आरोप लगाया कि 11 मार्च को एक बार फिर पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा और उनके समर्थक इब्राहिम खान समेत आठ

नामजद व अन्य 100-125 लोग बिना किसी अनुमति के अनाधिकृत रूप से उसके आर्बिट्रिज लीज क्षेत्र में घुस आए। तारबंदी को तोड़ दिया और टैट लगाने के अलावा उसे जान से मारने की धमकी दी। कटवा ने आरोप लगाया कि गुढ़ा उन पर लगातार मंथली देने का दबाव बना रहे हैं। भीड़ को उकसा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल नाजयण सिंह ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच की जा रही है।

नियुक्ति के आदेश जारी

जोधपुर, (नि.सं.)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं निर्यंत्रक डॉ. बी एस जोधा ने आदेश जारी कर विभिन्न चिकित्सक शिक्षकों को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। आदेश के तहत डॉ. सुनिल कुमार दाधीच, वरिष्ठ आचार्य को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में, डॉ. शुभकरण खींचड़, वरिष्ठ आचार्य न्यूरोलॉजी में, डॉ. कल्पना मेहता वरिष्ठ आचार्य के स्त्री और प्रसूति में, डॉ. सुभा कुशल कटारिया वरिष्ठ आचार्य को एनटीएम में, डॉ. नवनीत अग्रवाल, वरिष्ठ आचार्य को, डॉ. सुनील कुमार कोटारी, वरिष्ठ आचार्य को शिशु सर्जरी में, डॉ. पंकज राव, आचार्य को चर्म एवं रति में, डॉ. अरविन्द चौहान, वरिष्ठ आचार्य को नेत्र में, डॉ. मनीष परिहार वरिष्ठ आचार्य को फिजियोलॉजी विभाग में विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

ट्रैक्टर की क्रशर मशीन में आने से युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुरा में ट्रैक्टर की क्रशर मशीन में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक भंवर सिंह अमरपुरा निवासी जो कि अपने खेत पर प्रेशर मशीन से अनाज निकलवाने के लिए गया था तभी ट्रैक्टर चालक ने क्रशर मशीन को लापरवाही पूर्व चालू कर दिया जिससे भंवर सिंह का शरीर मशीन में चला गया जिससे भंवर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मसूदा एसआई जीवराज भाटी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया एवं मोर्चरी में रखवा दिया गया। वहीं परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करार परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी।

मां ने मजदूरी कर बेटे को इनकम टैक्स ऑफिसर बनाया

बौली-बागनवास, (निसं)। क्षेत्र के टिगरिया ग्राम निवासी एक विधवा महिला घोटा देवी मीणा ने 7 वर्ष पूर्व अपने पति रामचरण मीणा की बीमारी के बाद हुई आकस्मिक मौत के बाद कड़ी मेहनत एवं मजदूरी करके अपने पुत्र अजय कुमार मीणा को पढ़ा लिखा कर इनकम टैक्स ऑफिसर पद पर नियुक्त कराया।

ग्रामीणों ने युवक अजय कुमार का स्वागत किया

महिला को मेहनत रंग लाई एवं बुधवार को एससी, सीजीएल 2024 परीक्षा परिणाम की अंतिम चयन सूची में उसके छोटे पुत्र अजय कुमार मीणा को 68वीं रैंक हासिल हुई एवं उसका चयन इनकम टैक्स इंस्पेक्टर पद पर हो गया। अजय कुमार चयन होने के बाद होली पर जब अपने गांव आया तो ग्रामीणों ने उसे फूल, माला पहनकर स्वागत किया एवं उसका मुंह मीठा कराकर पूरे ग्रामवासियों ने मिठाई बाँटकर खाई। इस अवसर पर अजय कुमार मीणा ने बड़े, बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया एवं सफलता का श्रेय अपने पिता रामचरण मीणा एवं माताजी घोटा देवी मीणा को दिया।

बारिश और ओलावृष्टि से किसान चिंतित

पदमपुर, (निसं)। क्षेत्र के बीड़बायला के ग्रामीण इलाके में 48, 49 एलएनपी के पास बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। जगसिंहपुर और पदमपुर सहित अन्य क्षेत्रों में भी बारिश दर्ज की गई। पश्चिम दिशा के सक्रिय होने से जिले में यह मौसम बदलाव देखा गया। इससे तापमान में गिरावट आ रही है। किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि गेहूँ, सरसों और चने की फसलों को नुकसान का खतरा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, ओलावृष्टि से चनों के खराब होने और पौधों की वृद्धि में रुकावट आ सकती है। गेहूँ और सरसों की फसलें इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती हैं। जिले में कई अग्रह फसलें पककर तैयार हैं। तेज बारिश से इन्हें बड़ा नुकसान हो सकता है। इस स्थिति से किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

निजी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान युवक की गलत आंत काटी, मौत

परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और डॉक्टरों पर हत्या का आरोप लगाया

जालोर, (नि.सं.)। जालोर जिले में एक अस्पताल की लापरवाही का मामला सामने आया है। जालोर शहर के श्रीराम हॉस्पिटल में एक युवक की ऑपरेशन के दौरान गलत आंत काटने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में करीब तीन घंटे तक हंगामा किया और डॉक्टरों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने मामले को संभालते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार रूगाराम गर्ग की तबीयत नौ मार्च को अचानक खराब

हो गई थी, जिसके बाद उन्हें श्री राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनकी जांच करके आंतों का ऑपरेशन करने की सलाह दी और 10 मार्च को ऑपरेशन किया गया। हालांकि, ऑपरेशन के दौरान गलत आंत काटने से रूगाराम की हालत बिगड़ गई और

उन्हें जोधपुर के श्री राम हॉस्पिटल में रेफर किया गया। वहां दूसरे ऑपरेशन के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने मृतक के शव को जोधपुर से वापस जालोर लाकर अस्पताल के गेट पर रख दिया और करीब तीन घंटे तक विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने डॉक्टर सोरभ त्रिवेदी और ईंचार्ज डॉक्टर अजयराज चौधरी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने और अस्पताल को सौल करने की मांग की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सावर में बैंडबाजों के संग निकाली बिना फेरे, बिना दुल्हन की बारात

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। रंगों का त्यौहार होली भुसावर कस्बा सहित ग्रामीण अंचल में प्रेम, सौहार्द व आपसी भाईचारा के साथ मनाया गया। प्रेम, सौहार्द के इस पावन पर्व पर सुबह से ही होली के रंगों में सराबोर नजर आए बच्चों एवं युवाओं की टोलियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और फागोत्सव की मस्ती में नजर आए।

जानकारी के अनुसार भुसावर कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस व्यवस्था माकूल नजर आई जो असामाजिक

■ भुसावर कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस व्यवस्था माकूल नजर आई



कस्बेवासियों ने अपने घरों की छतों पर चढ़कर गुलाल एवं रंग डालते हुए बारात का स्वागत किया।

के जैन गली स्थित जैन मंदिर पहुंची, जहां होली का दूल्हा बने युवक ने तोरण मारा। वहीं श्रगुन के तौर पर होली का दूल्हा बने युवक की पदवेशों से पिटाई की गई और अगले वर्ष मिलने की कहकर होली का आनंद लेते हुए अपने-अपने घरों को विदा हो गए।

वहीं बुजुर्ग कुंजीलाल शर्मा फूफाजी, डिल्लाराम अरोड़ा, पंडित राघवेंद्र शर्मा, सेवक महेशचन्द्र जती

कैमरी गांव में डोलची होली देखने उमड़े लोग

जगदीश चौक में खेले जाने वाली डोलची होली में देवरों ने बरसाये रंग, भाभियों ने कोड़े मारे

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में होली का त्यौहार पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जगदीश धाम कैमरी के मंदिर प्रांगण में स्थित जगदीश चौक में खेले जाने वाली डोलची होली में शनिवार को रंगों के साथ जमकर कोड़े बरसे जिन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में जनसैलाब उमड़ा।

गुर्जर जाति के बारह गांव खटाना गौत्र की ओर से सैकड़ों वर्षों से चली आ रही यह होली पुरानी परंपरा व संस्कृति को जीवंत किये हुए है। जगदीश चौक में बैंड-बाजे की धुन पर 12 गांवों के महिला व पुरुषों (देवर-भाभी) ने हर्षोल्लास के साथ डोलची में रंग भरकर रिश्ते में अपनी भाभी लगने वाली महिलाओं पर रंग बरसाया। महिलाओं ने पुरुषों पर कोड़े बरसाए। रंगों की बाँछर से माहौल सतरंगी हो गया। डोलची होली देखने के लिए 12 गांव खटाना परिवार सहित बड़ी संख्या में गुर्जर समाज सहित करीली, दौसा, सवाई माधोपुर, भरतपुर सहित अन्य जिलों के हजारों लोग पहुंचे। डोलची होली की शुरुआत दोपहर को कैमरी को बसाने वाले सूडा बाबा के स्थान पर बारह गांवों के पंच-पटेलों ने विशेष पूजा-अर्चना की।



जगदीश धाम कैमरी के मंदिर प्रांगण में स्थित जगदीश चौक में डोलची होली खेली गई।

पौसीसी सदस्य शोशराम खटाना ने बताया कि दोपहर दो बजे से शाम तक डोलची होली खेलने का कार्यक्रम जारी रहा जिसमें 12 गांव की सात पीढ़ियों

के महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया। डोलची होली में महिलाओं व पुरुषों ने नृत्य किया। पंच पटेलों ने लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति दी। भूपेन्द्र खटाना ने बताया कि डोलची खेलने के बाद नाल प्रतियोगिता सहित घोड़ा घोड़ी दौड़ का आयोजन किया जाता है जिसमें सैकड़ों प्रतिभागी भाग लेते हैं।

श्रेष्ठ आने वाले प्रतिभागी को जगदीश मंदिर कमेटी अध्यक्ष धनश्याम खटाना सहित अन्य सदस्यों द्वारा भगवान की प्रतिमा, दुपट्टा पहनकर स्वागत किया गया। मंदिर ट्रस्ट व ग्राम पंचायत कैमरी की ओर

■ गुर्जर जाति के बारह गांव खटाना गौत्र की ओर से सैकड़ों वर्षों से चली आ रही यह होली पुरानी परंपरा व संस्कृति को जीवंत किये हुए है

■ 12 गांव की कई पीढ़ियों के महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया, डोलची होली में महिलाओं व पुरुषों ने नृत्य किया, पंच पटेलों ने लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति दी

गांवों के महिला-पुरुष भाग लेते हैं। खेड़ में पानी भरकर रंग खोला जाता है। देवर विशेष प्रकार का पात्र जिसे डोलची कहते हैं में रंग भरकर भाभी पर डालते हैं। भाभी अपने बचाव के लिए देवर पर प्यार से कोड़े बरसाती है। प्रेमरंग में डूबे देवर मार की परवाह किये बिना रंग डालते हैं। महिलाओं को होली खेलने के साथ साथ नृत्य करती है। देवर व भाभी के प्यार का प्रतीक डोलची होली खेलने का लोग वर्षभर इंतजार करते हैं।

ट्रेन हाइजैक पर भारत ने पाकिस्तान के दावे को खारिज किया

नयी दिल्ली, 14 मार्च। भारत ने बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना को लेकर पाकिस्तान को ओर से दिये गए बयानों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है और कहा है कि पाकिस्तान को अपनी अंदरूनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की ओर से की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालियों के जवाब में कहा, "हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आधारहीन आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहाँ है। पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं के लिए दोष दूसरों पर डालने के बजाय अंदर झाँकना चाहिए।"

जबरदस्ती व विरोध नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जीवित करना चाहिए। अगर गैर हिंदी भाषियों को हिंदी से दिक्कत है तो उन पर संस्कृत थोप दी जानी चाहिए।"

इस समय भारत का भाषाई परिदृश्य बहुत ज्यादा धुंधलीकृत है, ऐसे में कैडबरी डेयरी मिलक की अप्रोच महत्वपूर्ण है। इसमें भाषा के इंसानी पहलू को दिखाया गया है कि यह तोड़ने का नहीं जोड़ने का जरिया है और इस प्रकार ब्रांड ने विवाद में पड़े बिना सबको साथ लेकर चलने का संदेश दिया है।

भारत के भाषाई मसले पर इस विज्ञापन का कितना असर पड़ेगा, यह देखा जाना बाकी है। पर एक बात तो तय है कि कैडबरी डेयरी मिलक ने वह कर दिया है, जो करने के लिए नेता जूझ रहे

हैं, उन्हें विवादित परिदृश्यों के एक "कॉमन ग्राउण्ड" नहीं मिल रहा है और कैडबरी ने बहुत सादगी से वह सब कर दिया है।

एक दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जिम्मा और जसवीर सिंह राजा गिल डौंडीवीसी में मौजूद थे।

विपश्यना केंद्र के प्रवक्ता ने कहा कि 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पांच मार्च को शुरू हुआ और 16 मार्च, 2025 की सुबह समाप्त होने वाला है। हालांकि, प्रवक्ता ने कहा कि केजरीवाल ने अपने ध्यान शिक्षक से छुटी ली और एक दिन पहले ही लौट गए।

'हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में "शक्ति वंदन, भारत के स्व का अभिनन्दन" महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा

जयपुर, 15 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आवादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में "शक्ति वंदन: भारत के

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी भी देखी और कहा कि रानी अहिल्याबाई ने महेश्वर में हथकरघा का विकास किया व महेश्वर साड़ी की सौगात दी।

स्व का अभिनन्दन महोत्सव" के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा, सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आवादी

की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री के "चोकल फॉर लोकल" अभियान के तहत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और वित्तीय कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय 'नारी शक्ति वंदन: भारत के स्व का अभिनन्दन' महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने शक्ति वंदन पुस्तक में उद्यमी महिलाओं के लिए संदेश लिखा। शर्मा ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और प्रदर्शनी के "रिड्यूस्, रीयूज और रीसाइकिल" आधारित उत्पादों की सराहना की।

इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सीमिया गुर्जर ने मुख्यमंत्री को अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित, जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमी एवं बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

कम परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में याचिका दायर कर कहा कि स्कूल का परीक्षा परिणाम सदैव उत्कृष्ट रहा है। ऐसे में केवल एक साल कम परीक्षा परिणाम आने पर उसे दंडित नहीं कर सकते। इसके अलावा, वरिष्ठ अध्यापकों ने पूरे साल विद्यार्थियों को पढ़ाया, लेकिन परीक्षा परिणाम कम आया। ऐसे में वरिष्ठ शिक्षकों की एवज में उसे दंडित नहीं किया जा सकता।

ऐसे ही दूसरे मामले में, याचिकाकर्ता व्याख्याता नेमी चंद बलाई जयपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बधाल में हिंदी के व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। उनके खिलाफ भी 2018-2019 में कक्षा 12वीं का हिंदी विषय का परीक्षा परिणाम तय मापदंड से कम आने के कारण चार्जशीट दी गई और जुलाई 2021 में दो वार्षिक वेतन वृद्धि रोक ली। विभाग ने वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की अवधि दो साल से एक साल कर दी। इसे चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि हर छात्र का पढ़ने का स्तर एक जैसा नहीं होता है। इसलिए उसे कम परिणाम के लिए दोषी करार देकर दंडित नहीं किया जा सकता। दोनों मामलों में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई को रद्द कर दोषी जमा राशि ही उसे लौटाई गई।

जेडीसी, जेडीए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को मुहैया कराए। यदि भूखंड नहीं दे पाए तो उसे जमा करवाई गई राशि 6,88,532 रुपये जमा तारीख से 18 फीसदी ब्याज सहित अदा करें। इसके अलावा परिवाद दायर करने की तारीख से एक हजार रुपये हर दिन हर्जाना राशि दी जाएगी। वहीं, क्षतिपूर्ति के लिए उसे 5.21 लाख रुपये हर्जाना भी दिया जाएगा, लेकिन जेडीए ने इस आदेश का पालन नहीं किया है। इसलिए आदेश की पालना करवाई जाए।

गौरतलब है कि परिवारी ने जेडीए की सीकर रोड स्थित आवासीय योजना, रजत विहार में भूखंड के लिए आवेदन किया था। जेडीए ने उसे भूखंड आवंटित भी कर दिया और परिवारी ने भी ऐसी घोषणाएं कई बार कर चुके हैं, लेकिन जहाँ तक कार्यवाही का प्रश्न है, कभी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर

कांग्रेस में परिवर्तन के बारे में ऐसी घोषणाएं कई बार हो चुकी हैं, पर, क्रियान्विति ज़ीरो रहती है।

कांग्रेस के उसी वरिष्ठ नेता ने इसलिए जोर, देकर कहा कि राहुल को व्यक्तिगत सोच को, व्यवहारिकता का जामा पहनाने की जरूरत है, उनके पास ऐसी सलाह देने वाले नेताओं की टीम बनती नज़र नहीं आती।

अभी, राहुल गांधी ने गुजरात की अपनी यात्रा के दौरान बड़े जोर-शोर से यह घोषणा की थी कि राज्य में भाजपा की मदद करने वाले कांग्रेसजनों को बर्खास्त कर दिया जायेगा तथा पार्टी से निकाल दिया जायेगा, भले ही उनकी संख्या कितनी भी ज्यादा क्यों न हो। राहुल गांधी इससे पहले भी ऐसी घोषणाएं कई बार कर चुके हैं, लेकिन जहाँ तक कार्यवाही का प्रश्न है, कभी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर

रूस बातचीत से पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर लिया है, जिसमें एक महीने का युद्धविराम तुरंत लागू होना था। अब गैर रूसियों के पाले में है।

अब हो यह रहा है कि रूस अधिक से अधिक सैन्य दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि वो अमेरिका के साथ वार्ता में इसका इस्तेमाल कर सके। उदाहरण के लिए, कुरुक्षेत्र पर रूस का कड़ा नियंत्रण, यूक्रेन व अमेरिका के लिए सौदेबाजी का एक बड़ा हथियार है।

इस संदर्भ में उच्च रूसी सहायकों द्वारा दिए गए संकेतों और रूसी राष्ट्रपति के नवीनतम आचरण से यह प्रतीत होता है कि वे अमेरिकी शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने की जटिलताओं में नहीं हैं। वार्ता की टेबल पर आने से पहले वो पूरी

स्थिति पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। इससे अमेरिका की स्थिति व नियंत्रण कमजोर हो रहा है। यदि ऐसा होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रयासों के लिए यह एक सीधा अपमान होगा। उसके बाद ट्रंप, रूसियों को पलटवार में एक सख्त पाठ पढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुछ अमेरिकी सूत्रों ने पहले से ही यह संकेत दिया है कि खुफिया जानकारी का आदान प्रदान, जो निर्लंबित कर दिया गया था, वो शुरू हो चुका है और अन्य खुफिया जानकारीयों फिर से आ रही हैं। समय आने पर, यदि वार्ताएं विफल हो जाती हैं, जिन्हें यूक्रेन पहले ही दबाव में आकर स्वीकार कर चुका है, तो अमेरिका पूरी ताकत से हस्तक्षेप कर सकता है।

'हम केन्द्र के शिक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)


तमिल भाषा में भारतीय मुद्रा के लिये प्रयुक्त हुआ है। लोगों में एक कैप्शन भी था "सबके लिये प्रत्येक चीज"। यह कैप्शन सरकार के समावेशी मॉडल का परिचायक है, क्योंकि सत्ताशुद्ध द्रुपद तमिलनाडु सरकार के समावेशी होने का दावा करती है।

तमिलनाडु सरकार पर प्रहार करते हुये, राज्य के भाजपा अध्यक्ष के अग्रमलाई ने कहा कि "रुपये के प्रतीक को तमिलनाडु उद्यम कुमार ने ही डिजाइन किया था। वे द्रुपद विधायक के पुत्र हैं। उन्होंने लिखा, स्टालिन, आप किस हद तक मूर्ख हो सकते हैं?" उन्होंने 2024-25 के तमिलनाडु बजट का लोको में भी शेरार किया, जिसमें भारतीय रुपये का प्रतीक था। गौरतलब है कि तमिलनाडु के राज्यपाल ने अभी कोई अधिकृत बयान नहीं दिया है।

चारागाह भूमि से कब्जा नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी पेश करने को कहा है। सीजेएमएएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गौयल की खंडपीठ ने यह आदेश नकीराम व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग की ओर से आदेश की पालना के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मामले में 23 मई, 2022 के आदेश की पालना नहीं की गई तो अदालत अधिकारियों को वारंट से तलब कर सकती है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता वीपी शास्त्री ने बताया कि चिड़वावा की कई बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए याचिकाकर्ता ने चिड़वावा तहसीलदार को सूचित किया। तहसीलदार ने 149 अतिक्रमण चिन्हित कर अगस्त, 2021 में कब्जाधारियों को बेदखल करने का निर्णय दिया। वहीं जिला कलेक्टर ने भी तहसीलदार के आदेश को यथावत् रखा। इसके बावजूद भी मौके से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने 23 मई, 2022 को चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। इसकी पालना नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर कर दोषी अफसरों पर कार्रवाई की गुहार की गई।

MAKE A BOLD STATEMENT WITH THE BALENO REGAL EDITION.

Catch everyone's attention wherever you go.


REGAL EDITION
GET ACCESSORY PACKAGE OF UP TO
₹ 42,760*




**THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD**




360 VIEW CAMERA



HEAD UP DISPLAY



6 AIRBAGS*




IN-BUILT SUZUKI CONNECT

BENEFITS UP TO ₹ 67,100**

ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.



SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY @
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at
1800-200-6392
1800-102-6392

** For detailed T&C kindly visit nearest dealership. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice and offers may vary across variants. Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of financier. *3 years or 100 000 km - whichever is earlier. Scrappage offer valid for limited period only and is brought to you by Maruti Suzuki Toyotsu India Private Limited (a joint venture company between Maruti Suzuki India Ltd and Toyota Tsusho Group). **Above offers are valid till 31st March 2025. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. *Regal Edition kit is available for ₹ 5000 in non-sigma variants.